मीडिया शोधार्थियों में ई-संसाधनों का प्रयोग

श्रीमती नीति ताम्रकार
डॉ नरेन्द्र त्रिपाठी

सारांश :- **मीडिया शोधार्थी ई-संसाधनों से परिचित है एवं उनके द्वारा ई-संसाधनों का उपयोग किया जाता है। सूचना की आवश्यकता होने पर सभी जगहों पर अपनी आवश्यक सूचना की प्राप्ति हेतु ई-संसाधनों का उपयोग किया जाता है। पुस्तकालयों के लिये यह आवश्यक हो गया है कि उपयोगकर्ताओं के मस्तिष्क को समझे एवं उनकी प्रवृत्ति अनुसार पुस्तकालय संग्रह का विकास करें । यह अध्ययन मीडिया शोधार्थियों के द्वारा उपयोग किये जाने वाले ई-संसाधनों एवं इसके उपयोग में आने वाली समस्याओं को प्रकाशित करता है।**

महत्वपूर्ण शब्द :- **ई-संसाधन, मीडिया रिसर्च, पुस्तकालय**

प्रस्तावना

सूचना संसाधनों के रखरखाव को नवीन प्रौद्योगिकी ने काफी प्रभावित किया है। जिससे सूचना के स्थानांतरण एवं संचार प्रक्रिया में तेजी से परिवर्तन आया है। वर्तमान सूचना संसाधनों का स्वरुप अनेक इलेक्ट्रॉनिक रुप में उपलब्ध है। आधुनिक शैक्षणिक वातावरण में शिक्षण एवं शोध की प्रत्येक गतिविधि को ई-संसाधनों ने प्रभावित किया है । सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के त्वरित विकासों ने सूचना स्त्रोतों की एक नई पीढ़ी को जन्म दिया है, जिसे हम ई-संसाधन कह रहे है। ई-संसाधन की विशेषता यह है कि इन्हें समय व स्थान की सीमा से हटकर भी प्रयोग किया जा सकता है अर्थात कहीं भी और कभी भी ई-संसाधन का प्रयोग करना संभव है।

ई-संसाधनों को दो प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है (1) ऑनलाइन (2) ऑफलाइन। ऑनलाइन संसाधन इंटरनेट तथा नेटवक्र से जुड़े होते है, जबकि ऑफ लाइन ई-संसाधनों के लिये नेटवक्र की आवश्यकता नहीं होती।

साहित्य समीक्षा

(2012) Kumar, V.D. Manjunath & Moorthy. E-Resources use pattern by Science and Art Faculty Members of Sahydri Science and Arts College, Shivamogga: A Comparative Study.

कुमार, वी.डी., मंजूराय एवं मूर्ती ने अपने शोध ई-संसाधनों का विज्ञान और कला के शिक्षकों में उपयोग के अध्ययन में पाया कि सभी शैक्षणिक संस्थानों में ई-संसाधन आवश्यक है, जिससें ई-संसाधन फैकल्टी की सभी सूचना आवश्यकताओं में सहायता प्रदान करते हैं। प्रत्येक पुस्तकालय के लिये यह जरुरी हो गया है कि वर्तमान ट्रेंडस के अनुरुप अपने संसाधनों का विकास करे। यह अध्ययन साइंस एवं आर्ट में एक्सेस रिसोर्स व्यवहार का अध्ययन हैं जो ई-संसाधनों के उपयोग एवं फैक्लटी के कार्यों के समय क्या समस्या आती हैं को प्रकाशित करता है।

(2012) Bansode,S.Y.& Pereira, S. Information Search and Retrieval in Digital Environment: A Case Study of Marine Science Students of Goa University.

यह अध्ययन वर्तमान छात्रों द्वारा डिजिटल संसाधनों में विशेष रुप से इंटरनेट आधारित संसाधनों की ओर झुकाव को प्रदर्शित करता है। यह अध्ययन गोवा विश्वविद्यालय के मैरीन साइंस के पी.जी. छात्रों पर आधारित है। जिसमें बिना स्किल प्रक्रिया के डिजिटल वातावरण में उपयोक्ता द्वारा सूचना उपयोग संभव नही हैं। इस अध्ययन में पाया गया हैं कि छात्रों को हर पल डिजिटल लिटरेसी की आवश्यकता हैं जिससे उनमें ऑनलाईन सर्चिंग को प्रभावशाली उपयोग क्षमता का विकास किया जा सके।

(2010) Sharma, Ajay Kumar. Sahu & Kujur Paradigm shift in Library collection from Printed to Electronic Books and the state of the art

❐ **शोधार्थी, ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययन शाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)**
❐ **विभागाध्यक्ष, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)**

Report of Vishva-Bharati Library: an overview

सूचना को सबसे ज्यादा महत्व मिलता हैं। सूचना को किसी भौगोलिक परिस्थितियों में बाँधकर नहीं रखा जा सकता। अधिकांश पुस्तकालय वेब आधारित संसाधन एवं ई-जर्नल्स का उपयोग सफलतापूर्वक करने की ओर अग्रसर हैं। ई-बुक्स के इंफ्रास्ट्रक्चर को आसानी से समझा जा सकता हैं। लेक्चर, शिक्षण एवं अध्ययन के रुप में ई-बुक्स से परिचय एवं उपयोग का विकास हो रहा हैं। इस अध्ययन में ई-बुक्स के उपयोग, लाभ एवं कमियों को प्रस्तुत किया गया है।

(2010) राणा मदन सिंह गुप्ता, इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनः महत्व एवं सूचना अभिगम व पुनर्प्राप्ति हेतु उपयोगी तकनीकें।

इलेक्ट्रानिक संसाधनों का भविष्य परिवर्तनों से भरा हुआ एवं चुनौतीपूर्ण है और परिवर्तनों को रोका नहीं जा सकता अतः हमें इन परिवर्तनों को स्वीकार करना चाहिए। ग्रंथालय द्वारा अपने उद्देश्यों एवं लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये एवं उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि हेतु यह भी आवश्यक हैं कि ग्रंथालयकर्मियों एवं पाठकों को प्रौद्योगिकी फ्रेंडली बनाया जाये।

(2010) गुप्ता बीना तिलवानी. इलेक्ट्रानिक संसाधनः एक सिंहावलोकन।

यद्यपि भारतीय ग्रंथालयों में डिजिटल संसाधनों का प्रचलन बढ़ रहा है, फिर भी इस ओर कई समस्याएं जैसे वित्त की कमी, मानव-संसाधन, दक्षता आदि की कमियों के कारण ई-संसाधनों का विकास एवं प्रचलन बाध्य नहीं रहा है। इस कमी को दूर करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे कई कन्सोर्शियम है, जिससे इसकी लागत में कमी आती है। ई-संसाधनों द्वारा न केवल उत्पादकता बढ़ती है, बल्कि नये प्रयोगों तथा प्रकाशनों के सृजन में भी सहायता मिलती है । अतः इनके विस्तृत लाभों को देखते हुए भविष्य में इनके प्रचार एवं प्रसार की प्रबल संभावनाएं है।

उद्देश्य- इस अध्ययन हेतु निम्नांकित उद्देश्य हैं-

- मीडिया शोधार्थियों के ई-संसाधन उपयोग प्रवृत्ति (use pattern) की पड़ताल करना ।
- मीडिया शोधार्थियों में ई-संसाधनों की जानकारी का प्रसार करना ।
- मीडिया शोधार्थियों के ई-संसाधन उपयोग करने में आनेवाली समस्याओं का पता लगाना।
- मीडिया शोधार्थियों में ई-संसाधन उपयोग की जानकारी एवं प्रेरणा का पता लगाना।

4. परिकल्पना-

- मीडिया शोधार्थियों में ई-संसाधनों का उपयोग प्रवृत्ति बढ़ रहा है।
- मीडिया शोधार्थियों को ई-संसाधनों की आधारीय जानकारी है।
- मीडिया शोधार्थियों में ई-संसाधनों के उपयोग में प्रशिक्षण एवं इंटरनेट की सुगम उपलब्धता की समस्या ।
- मीडिया शोधार्थी अपने परिवेश से जानकारी प्राप्त कर साधनों का प्रयोग करते है।

अध्ययन क्षेत्र एवं शोध प्रविधि

मीडिया शोधार्थियों में ई-संसाधनों के उपयोग के विषय में उद्देश्यों के अनुरुप जानकारी प्राप्त करने के लिए साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया। यह अध्ययन सत्र 2014-15 में अध्ययनरत शोधार्थियों पर किया गया है।

डाटा सारणियन एवं विश्लेषण

सारणी क्रं. (1.1)

अध्ययन में सहभागी उत्तरदाताओं का विवरण एन= 26

शोधार्थी	एम.फिल.	पी–एच.डी.	कुल शोधार्थी
योग	09	17	26

मीडिया शोधार्थियों में ई-संसाधनों का उपयोग जानने के लिए पत्रकारिता विश्वविद्यालय, रायपुर के अध्ययनरत 09 एम.फिल. एवं 17 पी-एच.डी. शोधार्थियों को अध्ययन में शामिल किया गया है।

सारणी क्रं. (1.2)

शोधार्थियों द्वारा ई-संसाधनों के उपयोग का स्तर

स्वरुप	उत्तरदाता अभिमत	प्रतिशत
ऑन–लाईन	26	100
ऑफ–लाईन	26	100

शोधार्थियों द्वारा ई-संसाधनों के उपयोग का स्तर पता करने के लिए शोधार्थियों से जाना गया कि वे ऑन-लाईन अधिक प्रयोग करते है या ऑफ-लाईन संसाधनों का। सभी शोधार्थियों ने एक सा ही बताया कि वे ऑफ-लाईन एवं ऑन-लाईन डाटा का बराबर प्रयोग करते है।

सारणी क्रं.(1.3)

शोधार्थियों में इंटरनेट का उपयोग

आवृत्ति	उत्तरदाता अभिमत	प्रतिशत
प्रति दिन	26	100
दो दिन में एक बार	0	0
सप्ताह में एक बार	0	0
माह में एक बार	0	0
कभी कभार	0	0
कभी नहीं	0	0

शोधार्थियों में इन्टरनेट उपयोग की आवृत्ति का पता लगाने के लिए उत्तरदाताओं से जाना गया कि उनके द्वारा इन्टरनेट प्रयोग की आवृत्ति किस प्रकार की है। वे प्रतिदिन इन्टरनेट का प्रयोग करते है।

सारणी क्रं. (1.4)

इंटरनेट ब्राउजिंग के समय का अध्ययन -

ब्राउजिंग का समय	शोधार्थी अभिमत	प्रतिशत
एक घण्टा	0	0
2–3घण्टा	04	15.38
4–5घण्टा	09	34.62
5 घण्टा से अधिक	13	50
कुल	26	100

मीडिया शोधार्थियों में इंटरनेट ब्राऊजिंग के समय का अध्ययन करने पर 50 प्रतिशत शोधार्थियों ने माना कि वे 5 घण्टे से अधिक समय तक इंटरनेट ब्राउजिंग का इस्तेमाल करते है। 34.62 प्रतिशत शोधार्थियों के द्वारा 4-5 घण्टे का समय इंटरनेट ब्राउजिंग के लिये दिया जाता हैं एवं 15.38 प्रतिशत शोधार्थी 2-3 घण्टे का इंटरनेट ब्राउजिंग करते है। निष्कर्ष में कहा जा सकता है कि 50 प्रतिशत शोधार्थी इंटरनेट ब्राउजिंग में 5 घण्टे से अधिक घण्टों का समय व्यतीत करते है।

सारणी क्रं. (1.5)

शोधार्थियों में इंटरनेट उपयोग के उद्देश्यों का अध्ययन -

उद्देश्य	शोधार्थी अभिमत	प्रतिशत
शोध कार्य के लिये	26	100
सेमीनार/कांफ्रेंस प्रोसेडिंगस	8	30.76
मनोरंजन	2	7.76
कार्यालयीन उपयोग	20	76.92
ई–मेल/चैटिंग	26	100
सामान्य ज्ञान	26	100

शोधार्थियों में इंटरनेट उपयोग के उद्देश्यों का अध्ययन किया गया जिसमें 100 प्रतिशत शोधार्थी इंटरनेट का उपयोग शोध कार्य, ई-मेल/चैटिंग एवं सामान्य ज्ञान प्राप्त करने को बताया है। 76.92 प्रतिशत शोधार्थी इंटरनेट का उपयोग कार्यालयीन कार्यो के लिए बताया। 30.76 शोधार्थी का अभिमत सेमीनार/कांफ्रेंस प्रोसेडिंग्स के लिए बताया एवं मनोरंजन के लिए इंटरनेट का उपयोग मात्र 7.76 प्रतिशत सबसे कम अभिमत प्राप्त हुआ ।

सारणी क्रं. (1.6)

शोधार्थियों द्वारा उपयोग किये जाने वाले ई-संसाधनों का अध्ययन-

ई–संसाधन	शोधार्थी अभिमत	प्रतिशत
ई–पुस्तके	13	50
ई–शब्दकोश	10	38.46
ई–पत्रिका	10	38.46
ई–मैग्जिंन	2	7.69
ई–विश्वकोश	10	38.46
ई–डिजरटेशन/थीसिस	15	57.69
ई–मेप	20	76.92
ई–समाचार पत्र	26	100
ई–शासकीय प्रकाशन	13	50
ई–रिसर्च पेपर	10	38.46
ई–शोध प्रतिवेदन	5	19.23
ई–टी.वी.	10	38.46

शोधार्थियों द्वारा उपयोग किये जाने वाले ई-संसाधनों के अध्ययन में 100 प्रतिशत शोधार्थी ई-समाचार पत्रों का उपयोग अभिमत प्राप्त हुआ है। 76.92 प्रतिशत शोधार्थी ई-मेप का उपयोग करते है। 57.69 प्रतिशत शोधार्थी ई-डिजरटेशन/थीसिस का उपयोग करते है। 50 प्रतिशत शोधार्थियों के द्वारा ई-पुस्तक का उपयोग किया जाता है। 38.46 प्रतिशत शोधार्थियों के द्वारा ई -शब्दकोश, ई-पत्रिका, ई-विश्वकोश, ई-टी.वी. एवं ई-रिसर्च पेपर का उपयोग किया जाता हैं। 19.23 प्रतिशत शोधार्थी ई-शोध प्रतिवेदन का एवं 7.69 ई-मैग्जिन का उपयोग भी करते हैं।

सारणी क्रं.(1.7)

शोधार्थियों द्वारा उपयोग किये जाने वाले ई-समाचार पत्रों का उपयोग अध्ययन-

ई–समाचार पत्र	शोधार्थी अभिमत	प्रतिशत
नवभारत	2	7.69
दैनिक भास्कर	20	76.92
नईदुनिया	13	50
पत्रिका	13	50
हरिभूमि	13	50
देशबन्धु	10	38.46
छत्तीसढ़	10	38.46
दैनिक जागरण	15	57.69
अमर उजाला	15	57.69
Central Chronicle	2	7.69
The Times of India	13	50
The Hindu	10	38.46
Economic Times	8	30.76
The Hitavada	10	38.46
The Indian Express	15	57.69
The Pioneer	8	30.76
Any others	10	38.46

शोधार्थियों के द्वारा ई-समाचार पत्रों के उपयोग अध्ययन में दैनिक भास्कर का उपयोग 76.92 प्रतिशत शोधार्थियों के द्वारा उपयोग अभिमत प्राप्त हुआ है। 57.69 प्रतिशत शोधार्थी दैनिक जागरण, अमर उजाला, The Indian Express का उपयोग करते है। 50 प्रतिशत शोधार्थियों के द्वारा नईदुनिया, पत्रिका, हरिभूमि, The Times of India का उपयोग किया जाता है। 38.46 प्रतिशत देशबन्धु, छत्तीसगढ़, The Hindu, The Hitavada; Any others का उपयोग करते है। 30.76 प्रतिशत शोधार्थी Economic Times, The Pioneer का उपयोग करते हैं। 7.69 प्रतिशत शोधार्थी नवभारत एवं Central Chronicle का उपयोग करते हैं।

सारणी क्रं. (6.8)

शोधार्थियों में टी.वी. चैनलों का उपयोग अध्ययन -

टी.वी. चैनल	शोधार्थी अभिमत	प्रतिशत
डी.डी.1	10	38.46
सहारा	2	7.69
सोनी	15	57.69
न्यज चैनल	26	100
कलर्स	10	38.46
स्टार स्पोर्टस	10	38.46
जी टी.वी.	10	38.46
सीएनबीसी 7	10	38.46
इण्डिया टी.वी.	10	38.46
कार्टुन चैनल	0	0
अन्य कोई	2	7.69

शोधार्थियों में टी.वी. चैनलों का उपयोग के अध्ययन में 100 प्रतिशत न्यूज चैनल का उपयोग अभिमत प्राप्त हुआ है। 57.69 शोधार्थी सोनी चैनल के उपयोग का अभिमत देते हैं। 38.46 प्रतिशत शोधार्थी डी.डी.1, कलर्स, स्टार स्पोर्टस, जी.टी.वी., सी एन बी सी 7 एवं इण्डिया टी.वी. का उपयोग अभिमत है। 7.69 प्रतिशत द्वारा अन्य चैनलों एवं सहारा चैनल के उपयोग का अभिमत प्राप्त हुआ है। जबकि कार्टून चैनल का उपयोग अभिमत शून्य प्रतिशत प्राप्त हुआ है।

सारणी क्रं.(1.9)

शोधार्थियों में ई-संसाधनों के उपयोग से संबंधित जानकारी एवं प्रेरणा अध्ययन-

जानकारी की प्राप्ति	शोधार्थी अभिमत	प्रतिशत
ग्रथालय के द्वारा	15	57.69
अपने साथियों से	18	69.23
इंटरनेट से/स्व परिवेश	20	76.92
अन्य स्त्रोत	2	7.69

शोधार्थियों में ई-संसाधनो के उपयोग से संबंधित जानकारी एवं प्रेरणा अध्ययन में 76.92 प्रतिशत शोधार्थी इंटरनेट एवं स्व परिवेश के द्वारा, 69.23 प्रतिशत शोधार्थी अपने साथियों के द्वारा, 57.69 प्रतिशत शोधार्थी ग्रंथालय के द्वारा एवं 7.69 प्रतिशत अन्य स्त्रोतों से जानकारी एवं प्रेरणा प्राप्त करते है।

सारणी क्रं.(6.10)

शोधार्थियों में ई-संसाधनों के उपयोग से संबंधित समस्या का अध्ययन-

समस्या	शोधार्थी अभिमत	प्रतिशत
इंटरनेट की गति	20	76.92
इंटरनेट कनेक्शन	20	76.92
ई–संसाधन परिचय की कमी	2	7.69

शोधार्थियों में ई-संसाधनों के उपयोग से संबंधित समस्या अध्ययन में 76.92 प्रतिशत शोधार्थी इंटरनेट की गति एवं इंटरनेट कनेक्शन से संबंधित दोनों समस्याओं में बराबर अभिमत प्राप्त हुआ। ई-संसाधन परिचय की कमी से संबंधित समस्या में 7.69 प्रतिशत शोधार्थी अभिमत प्राप्त हुआ है।

7 परिणाम (Findings)- डाटा विश्लेषण के आधार पर निम्नांकित परिणाम प्राप्त हुए है-

- शोधार्थियों के द्वारा ई-संसाधनों के रुप में ऑफ-लाईन एवं ऑन-लाईन डाटा का बराबर प्रयोग करते है।
- शोधार्थियों में इंटरनेट प्रयोग की आवृति प्रतिदिन उपयोग किया जाता है।
- शोधार्थियों में इंटरनेट ब्राउजिंग समय - 50 प्रतिशत शोधार्थी 5 घण्टे से अधिक का समय इंटरनेट पर व्यतीत करते है।
- शोधार्थियों में इंटरनेट उपयोग का उद्देश्य शतप्रतिशत शोधकार्य, ई-मेल/चैटिंग एवं सामान्य ज्ञान प्राप्त करना है।
- शोधार्थियों के द्वारा ई-संसाधनों के रुप में ई-समाचार पत्रों का उपयोग शत-प्रतिशत पाया गया ।
- शोधार्थियों के द्वारा ई-समाचार पत्रों के उपयोग अध्ययन में दैनिक भास्कर का उपयोग सर्वाधिक (76.92 प्रतिशत) पाया गया ।
- शोधार्थियों में टी.वी.चैनलों का उपयोग अध्ययन में शतप्रतिशत न्यूज चैनल का उपयोग किया जाता है।
- शोधार्थियों में ई-संसाधनों के उपयोग संबंधित जानकारी एवं प्रेरणा अध्ययन में सर्वाधिक 72.92 प्रतिशत शोधार्थी इंटरनेट एवं स्व परिवेश के द्वारा प्राप्त करते है।
- शोधार्थियों में ई-संसाधनों के उपयोग से संबंधित समस्या अध्ययन में सर्वाधिक 76.92 प्रतिशत शोधार्थी इंटरनेट की गति एवं इंटरनेट कनेक्शन से संबंधित दोनों समस्याओं में बराबर अभिमत प्राप्त हुआ है।

सुझाव

अध्ययन के आधार पर निम्नांकित सुझाव प्रस्तुत है -

- इंटरनेट की दरें अभी आम छात्रों की पहुँच से अधिक हैं। इनको कम करना चाहिए तथा इंटरनेट की स्पीड और अधिक बढ़ाई जानी चाहिए जिससे शोधार्थी इंटरनेट का उपयोग सुगमता से कर सके।
- मीडिया शोधार्थी में ई-संसाधनों का उपयोग अभी भी बहुत कुछ हद तक संतोषजनक नहीं कहा जा सकता है। मीडिया शोधार्थी ई-संसाधनों का उपयोग सुगमता से उपयोग कर सके इसके लिये उनको उन्नत सुविधायें उपलब्ध कराई जानी चाहिए।
- मीडिया शोधार्थियों में ई-संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिये समय-समय पर विशेष प्रशिक्षण उन्हें दिया जाना चाहिए।

निष्कर्ष

विगत कुछ दशकों से पुस्तकालय के सूचना हस्तांतरण एवं पुस्तकालय संगठन को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने बहुत परिवर्तित कर दिया हैं। आई.सी.टी. ने सूचना फैलाव प्रक्रिया को प्रभावित किया है। प्रत्येक शैक्षणिक पुस्तकालय में उपयोग प्रवृत्ति का अध्ययन महत्वपूर्ण हो गया

हैं । पुस्तकालय संग्रह का विकास अध्ययन से प्राप्त परिणामों पर आधारित होना चाहिए। विश्वविद्यालय पुस्तकालय में ई-जर्नल्स, ई-बुक्स एवं अन्य ई-संसाधन (ऑनलाईन एवं ऑफलाईन) उपलब्ध होनी चाहिये। ग्रंथालय में ई-संसाधनों को प्राप्त करने के लिये इंटरनेट की गति को बढ़ाने की आवश्यकता हैं। पुस्तकालय में ई-जर्नल्स एवं अन्य ई-संसाधनों की संख्या में वृद्धि होनी चाहिये। विश्वविद्यालय पुस्तकालय के द्वारा शोधार्थियों को ई-संसाधनों से परिचित करवाया जाना चाहिए।

संदर्भ-

- Kumar,Vinay.D, Manjunath, and Moorthy. (2012) 'E-Resources use pattern by Science and Art Faculty Members of Sahydri Science and Arts College, Shivamogga : A Comparative Study' : *International Journal of Information dissemination and Technology* , Vol. 2, Issue No.4
- Bansode, S.Y, and Pereira, S. (2012) 'Information Search and Retrieval in Digital Environment: A Case Study of Marine Science Students of Goa University': *International Journal of Information dissemination and Technology, Vol.* 2, Issue No. 4
- Sharma, Ajay kumar. Sahu & Kujur . (2010) 'Paradigm shift in Library collection from Printed to Electronic Books and the state of the art Report of Vishva-Bharati Library: an overview ' :*Research Digest* , Vol.5, Issue No. 1
- राणा मदन सिंह एवं गुप्ता (2010) 'इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनः महत्व एवं सूचना अभिगम व पुनर्प्राप्ति हेतु उपयोगी तकनीकें': ग्रंथालय विज्ञान, खंड 41
- गुप्ता बीना एवं तिलवानी.(2010) 'इलेक्ट्रानिक संसाधन : एक सिंहावलोकन' : ग्रंथालय विज्ञान, खण्ड 41